

प्रणामप्रणयारव्यस्तवः

Pranamapranayakhyastavah

sanskritdocuments.org

February 23, 2019

---

# PranamapranayakhyastavaH

---

## प्रणामप्रणयारख्यस्तवः

---

### Sanskrit Document Information



---

Text title : praNAmapraNayAkhyastavaH

File name : praNAmapraNayAkhyastavaH.itx

Category : vishhnu, krishna, rUpagosvAmin, stavamALA

Location : doc\_vishhnu

Author : Rupagoswami

Transliterated by : Jan Brzezinski (Jagadananda Das) jankbrz at yahoo.com and Neal

Delmonico (Nitai Das) ndelmonico at sbcglobal.net

Description/comments : From stavamALA (rUpagosvAmivirachitA) Garland of Devotional Prayers  
stavamALA

Acknowledge-Permission: <http://granthamandira.net> Gaudiya Grantha Mandira

Latest update : February 22, 2019

Send corrections to : [Sanskrit@cheerful.com](mailto:Sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

February 23, 2019

*sanskritdocuments.org*

---

प्रणामप्रणयारव्यस्तवः



श्रीकृष्णाय नमः ।  
कन्दर्पकोटिरम्याय स्फुरदिन्दीवरत्विषे ।  
जगन्मोहनलीलाय नमो गोपेन्द्रसूनवे ॥ १ ॥  
कृष्णालाकृतहाराय कृष्णलावण्यशालिने ।  
कृष्णाकूलकरीन्द्राय कृष्णाय करवै नमः ॥ २ ॥  
सर्वानन्दकदम्बाय कन्दम्बकुसुमस्रजे ।  
नमः प्रेमावलम्बाय प्रलम्बारिकनीयसे ॥ ३ ॥  
कुण्डलस्फुरदंसाय वंशायत्तमुखश्रिये ।  
राधामानसहंसाय व्रजोत्तंसाय ते नमः ॥ ४ ॥  
नमः शिखण्डचूडाय दण्डमण्डितपाणये ।  
कुण्डलीकृतपुष्पाय पुण्डरीकेक्षणाय ते ॥ ५ ॥  
राधिकाप्रेममाध्वीकमाधुरीमुदितान्तरम् ।  
कन्दर्पवृन्दसौन्दर्यं गोविन्दमभिवादये ॥ ६ ॥  
शृङ्गाररसशृङ्गारं कर्णिकारात्तकर्णिकम् ।  
वन्दे श्रिया नवाभ्राणां बिभ्राणं विभ्रमं हरिम् ॥ ७ ॥  
साध्वीमणिव्रातपश्यतोहरवेणवे ।  
कह्लारकृतचूडाय शङ्खचूडभिदे नमः ॥ ८ ॥  
राधिकाधरबन्धूकमकरन्दमधुव्रतम् ।  
दैत्यसिन्धुरपारीन्द्रं वन्दे गोपेन्द्रनन्दनम् ॥ ९ ॥  
बर्हेन्द्रायुधरम्याय जगज्जीवनदायिने ।  
राधाविद्युद्दृताङ्गाय कृष्णाम्भोदाय ते नमः ॥ १० ॥  
प्रेमान्धवल्लवीवृन्दलोचनेन्द्रीवरेन्दवे ।

काश्मीरतिलकाढ्याय नमः पीताम्बराय ते ॥ ११ ॥

गीर्वाणेशमदोद्दाम दावनिर्वाणनीरदम् ।

कन्दूकीकृतशैलेन्द्रं वन्दे गोकुलवान्धवम् ॥ १२ ॥

दैन्यार्णवे निमग्नोऽस्मि मन्तुग्रावभरार्दितः ।


दुष्टे कारुण्यपारीण मयि कृष्ण कृपां कुरु ॥ १३ ॥

आधारोऽप्यपराधानामविवेकहतोऽप्यहम् ।


त्वत्कारुण्यप्रतीक्षोऽस्मि प्रसीद मयि माधव ॥ १४ ॥

इति श्रीरूपगोस्वामिविरचितस्तवमालायां प्रणामप्रणयाख्यः स्तवः सम्पूर्णः ।

---

——  
*Pranamapranayakhyastavah*

pdf was typeset on February 23, 2019

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

